





इस तकनीकी के द्वारा ही ज्ञान को संचित करना इसरी पीढ़ी तक पहुँचाना या सम्प्रेषित करना और ज्ञान का विस्तार करना सम्भव हो सका है।

शैक्षिक तकनीकी प्रथम वैश्वी शिक्षा जगत में उनके क्रान्तिकारी परिवर्तन किये हैं। दूर-दूर तक फैले उपेक्षित और पिछड़े इलाकों में रहने वाले जन समुदाय तक शिक्षा सुविधाएँ पहुँचाने का कार्य इस तकनीकी के सम्प्रेषण एवं संचार-साधनों के द्वारा ही किया गया है।

सर्वप्रथम २०० २०० यूएस डॉलर ने 1964 में मशीनी तकनीकी प्रणाली का वर्णन किया अतः शैक्षिक तकनीकी प्रथम अथवा मशीनी उपागम का अर्थ शिक्षण में मशीनों के प्रयोग से है। डेविड महीदय (1971) के अनुसार भौतिक विज्ञान पर आधारित यह मशीन उपागम शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य है। जो इनको प्रभावशाली एवं सार्थक रूप प्रदान करती है। वास्तव में मशीन प्रणाली शिक्षा के प्रसार के लिए साथ शैक्षिक सामग्री को संचित करने में सहायक है। यह शिक्षक कार्य की पूरक विधि कहलाती है। जो शिक्षण कार्य को सरल तथा सूक्ष्म बनाने में सहायता करती है।